भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4062
गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024/28 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

घरेलू हवाई यातायात में वृद्धि

4062. श्री पर्वतगौड़ा चंदनगौड़ा गद्दीगौदरः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या घरेलू हवाई यातायात 5,00,000 के आंकड़े को छू गया है, जो पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान किसी एक दिन में यात्रियों की सर्वाधिक संख्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान वर्ष के दौरान घरेलू यात्रियों की सर्वाधिक संख्या वाले शीर्ष पंद्रह हवाई अड्डे कौन से हैं;

(ग) वर्ष 2014 से घरेलू हवाई यात्री यातायात के आंकड़े वर्ष-वार क्या हैं; और

(घ) सरकार द्वारा देश में नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को अधिक आसान और किफायती बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) 17 और 24 नवंबर 2024 को घरेलू यात्री यातायात 5,00,000 का आंकड़ा पार कर गया है।

(ख) चालू वर्ष के दौरान सबसे अधिक घरेलू यात्रियों को हैंडल करने वाले शीर्ष पंद्रह हवाईअड्डों की सूची अनुलग्नक-I के रूप में है।

(ग) वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक घरेलू हवाई यात्री यातायात के आंकड़े अनुलग्नक-II के रूप में संलग्न हैं।

(घ) सरकार ने आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने हेतु अक्टूबर 2016 में क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की है। आज की तारीख में आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत अब तक 87 हवाईअड्डों (जिनमें 13 हेलीपोर्ट और 2 एयरोड्रम शामिल हैं) को जोड़ने वाले 615 मार्गों का प्रचालन किया जा चुका है। क्षेत्रीय हवाई यात्रा की वहनीयता सुनिश्चित करने के लिए, 'उड़ान' योजना के क्षेत्रीय मार्गों पर एयरलाइन प्रचालकों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है, जिनमें एयरलाइन परिचालन लागत को कम करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा रियायतें तथा ऐसे मार्गों पर परिचालन लागत और अपेक्षित राजस्व के बीच के अंतर को कम करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) शामिल हैं। आरसीएस सीटों पर विमान किराया, जिस पर चयनित एयरलाइन प्रचालकों (एसएओ) को वीजीएफ प्रदान किया जाता है, 3 वर्ष की अवधि के लिए है और विमान किराया सब्सिडी दर पर सीमित है और इसे हर तिमाही में अनुक्रमित किया जाना होता है।

अनुबंध के अंतर्गत आरसीएस सीटों के लिए अधिकतम स्वीकार्य विमान किराए की सीमा निर्दिष्ट है और गैर-आरसीएस सीटों के लिए कोई विमान किराया सीमा तय नहीं है। उपर्युक्त उपायों का उद्देश्य विमानन क्षेत्र में वहनीयता, पहुंच और समग्र यात्री सुविधा को सुदृढ़ करना है, जिससे क्षेत्रीय विकास और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिले।

******

अनुलग्नक-I

चालू वर्ष 2024-25 (अप्रैल-नवंबर) के दौरान सबसे अधिक घरेलू यात्रियों को हैंडल करने वाले शीर्ष 15 हवाईअड्डे		
श्रेणी	**हवाईअड्डे**	**यात्री (मिलियन में)**
1	दिल्ली (डायल)	37.72
2	मुंबई (एमआईएएल)	25.77
3	बेंगलुरु (बीआईएएल)	23.80
4	हैदराबाद (जीएचआईएएल)	15.63
5	कोलकाता	12.57
6	चेन्नई	10.68
7	अहमदाबाद	7.04
8	पुणे	6.74
9	गोवा (डाबोलिम)	4.39
10	गुवाहाटी	3.89
11	कोच्चि	3.85
12	जयपुर	3.48
13	लखनऊ	3.42
14	श्रीनगर	3.07
15	भुवनेश्वर	2.96

अनुलग्नक- II

वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक सभी भारतीय हवाईअड्डों पर हैंडल किए गए घरेलू यात्रियों की संख्या	
वर्ष	**यात्री (मिलियन में)**
2013-14	122.30
2014-15	139.33
2015-16	169.29
2016-17	205.68
2017-18	243.28
2018-19	275.22
2019-20	274.51
2020-21	105.25
2021-22	166.80
2022-23	270.34
2023-24	306.79